

# भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान

## हिन्दी कार्यशाला का प्रतिवेदन

बुधवार, दिनांक - 21 अगस्त, 2019

संस्थान में दिनांक 21 अगस्त, 2019 को प्रशासनिक वर्ग हेतु प्रशासन में हिन्दी कार्यान्वयन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक /कुलपति डा. गोपाल कृष्णा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि दक्षिण भारत के कई संस्थानों में हिन्दी में बहुत अधिक कार्य हो रहा है तथा अवार्ड भी प्राप्त कर रहे हैं। इस संस्थान को अवार्ड मिलता रहा है और मिलता रहेगा लेकिन "ख" क्षेत्र में होने के नाते यहां हिन्दी में और अधिक काम होना चाहिए तथा इसे प्रलेखित भी करना होगा, ताकि भविष्य में यह संदर्भ ग्रंथ के रूप में उपलब्ध रहेगा। राजभाषा के आदेशों से हिन्दी को आगे बढ़ावा देने के बजाय, हमें स्वयं इसमें रुचि लेकर हिन्दी को आगे बढ़ाना चाहिए, इससे संस्थान तथा देश दोनों की प्रतिष्ठा बढ़ती है। हिन्दी की प्रगति से हमारी भी प्रगति होती है, इसलिए मैं आशा करता हूँ कि आप सभी हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करेंगे। श्री पी. जे. डेविस, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी महोदय ने स्वागत भाषण में वहां उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा कि संस्थान में हिन्दी की प्रगति हेतु वे अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करें। डा राजेश्वर उनियाल, उप निदेशक (राजभाषा) ने कार्यशाला का संक्षिप्त विवरण देते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, भारत सरकार के आदेशानुसार प्रत्येक वर्ष चार कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत आज की यह कार्यशाला प्रशासनिक वर्ग हेतु प्रशासन में हिन्दी कार्यान्वयन विषय पर आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य है कि प्रशासनिक कार्य करते समय हिन्दी में आने वाली समस्याओं तथा कठिनाइयों का समाधान कैसे किया जाए। इस कार्यशाला में प्रशासनिक अधिकारियों सहित प्रशासन के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। सहायक निदेशक (राजभाषा) ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

उद्घाटन समारोह के बाद कार्यक्रमानुसार व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। श्री राजेन्द्र रावत, भूतपूर्व उप निदेशक (राजभाषा), फिल्म प्रभाग ने अपने व्याख्यान में सभी को यह अवगत कराया कि हिन्दी में सरलता व सहजता से कार्य कैसे किया जा सकता है एवं हम कैसे अपने दैनंदिन के कार्यों में हिन्दी का उपयोग कर सकते हैं। सामूहिक चर्चा के अंतर्गत कई प्रतिभागियों ने वक्ता के सम्मुख अपनी समस्याओं को रखा, जिनका उन्होंने समाधान किया। यह व्याख्यान सभी के लिए प्रेरणादायक रहा।





